सर्वेक्षकों का नाम	1.
	2.

Annual Status of Education Report
असर ASER 2013 RURAL
Facilitated by PRATHAM

निर्देश पुस्तिका

विषय सूची

A. असर क्या है? 1

B. असर 2013 की प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण 2

C. गाँव में जाकर क्या करें? 3-6

1. गाँव की जानकारी कैसे इकट्ठा करें
2. गाँव का नक्शा कैसे बनाएं और उसे हिस्से/मुहल्ले में कैसे बाँटे
3. हर हिस्से/मुहल्ले में जाकर क्या करें

संक्षेप

D. हर घर में क्या करें? 7-11

1. सामान्य जानकारी
2. घर में रहने वाले बच्चों और वयस्कों से संबंधित जानकारी
3. घरेलू संकेतक

संक्षेप

E. बच्चों के साथ क्या करें? 12-15

1. टेस्टिंग – सामान्य निर्देश
2. पढ़ने की जाँच कैसे करें
3. गणित की जाँच कैसे करें

F. विद्यालय में जाकर क्या करें? 16-21

सामान्य निर्देश

1. बच्चों का नामांकन एवं उपस्थिति
2. विद्यालय में पढ़ाई का माध्यम
3. शिक्षक
4. सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)
5. मध्याह्न भोजन
6. कक्षा का अवलोकन
7. सुविधाओं का अवलोकन
8. शौचालय

G. असर 2013 की प्रतिज्ञा

A. असर क्या है?

क्या बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं?
क्या बच्चे पढ़ सकते हैं?
क्या बच्चे गणित के बुनियादी प्रश्न हल कर सकते हैं?
हर साल असर इन प्रश्नों के उत्तर देता है।

असर 2013 - ऐन्युअल स्टेटस ऑफ एज्युकेशन रिपोर्ट

असर क्यों किया जाता है?

भारत में 6–14 आयु वर्ग के 96.5% बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं। एक राष्ट्र के रूप में, हमने यह सुनिश्चित किया है कि लगभग सभी बच्चे विद्यालय में नामांकित हों। अब हमें इस बात पर ध्यान देने की ज़रूरत है कि क्या बच्चे अच्छे से सीख रहे हैं।

हर साल भारत का हर नागरिक प्रारंभिक शिक्षा के लिए 2% कर अदा करता है। नागरिक होने के नाते हमें यह पता होना चाहिए कि क्या शिक्षा पर हुए खर्चे से कुछ परिणाम हासिल हो रहे हैं। बच्चे विद्यालयों में हैं, पर क्या वे सीख रहे हैं? वर्तमान स्थिति को जानने और समझने के बाद ही उपयुक्त काम किया जा सकता है।

असर क्या है?

असर (ऐन्युअल स्टेटस ऑफ एज्युकेशन रिपोर्ट) नागरिकों द्वारा घरों में किया जाने वाला भारत का सबसे बड़ा वार्षिक सर्वेक्षण है जिससे यह पता लगता है कि क्या बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं और क्या वे सीख रहे हैं। 5–16 आयु वर्ग के बच्चों के पढ़ने की और बुनियादी गणित की जाँच की जाती है। 3–4 आयु वर्ग के बच्चों के लिए हम केवल यह पूछते हैं कि क्या वे आंगनवाड़ी या पूर्व प्राथमिक विद्यालय में नामांकित हैं।

असर भारत के हर ग्रामीण ज़िले में बच्चों के एक निरूपक सैम्पल तक पहुँचता है। हर साल देश के 15,000 गाँवों में लगभग 7 लाख बच्चों का सर्वेक्षण किया जाता है।

असर की एक अनोखी बात यह है कि हर ज़िले में एक स्थानीय संस्था यह सर्वेक्षण करती है। हर साल 500 से अधिक संस्थाओं के लगभग 25,000 से 30,000 स्वयंसेवक असर करते हैं। असर देश में लोगों की भागीदारी से किया जाने वाला सबसे बड़ा अभ्यास है। अपने ज़िले में असर के साथ जुड़ कर लोग एक व्यापक और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रयास में सहयोग देते हैं। असर की शुरुआत 2005 में हुई थी और तब से यह हर वर्ष किया जा रहा है। 2013 असर का नौवां साल है।

असर 2012 के प्रमुख निष्कर्ष क्या थे?

96.5% बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं परन्तु राष्ट्रीय आंकड़े दर्शाते हैं कि:

- कक्षा 5 के आधे से ज़्यादा बच्चे कक्षा 2 के स्तर का पाठ धाराप्रवाह नहीं पढ़ सकते हैं।
- कक्षा 5 के लगभग 45% बच्चे कक्षा 2 के स्तर का सरल घटाव का प्रश्न हल नहीं कर सकते हैं।

असर रिपोर्ट में ऐसे आंकड़े हर राज्य और हर कक्षा के लिए उपलब्ध हैं।

असर का क्या असर रहा है?

असर की राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तर पर व्यापक चर्चा होती है। कई राज्य सरकारें प्रारंभिक शिक्षा से सम्बंधित कार्य योजना बनाने के दौरान असर के आंकड़ों का प्रयोग करती हैं। असर का उल्लेख भारत सरकार की 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012–2017) में किया गया है। कई राज्यों में, स्वयंसेवक आगे आकर गाँव के स्तर पर बच्चों के शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाने का प्रयत्न कर रहे हैं। असर से प्रेरित होकर, अन्य देश जैसे कि पाकिस्तान, केन्या, तंजानिया, उगांडा और माली असर जैसे प्रयास कर रहे हैं।

अधिक जानकारी के लिए: हमारी वेबसाइट www.asercentre.org देखें

असर सेन्टर, B4/54, सफ़दरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली 110029

फोन नं०: 011 46023612, 011 26716084 ई–मेल: contact@asercentre.org

असर सेंटर प्रथम की स्वशासित अनुसंधान और मूल्यांकन इकाई है (www.pratham.org)

B. असर 2013 की प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण

एक गाँव में असर का सर्वेक्षण दो दिन में किया जाता है। सर्वेक्षण का पहला दिन ऐसा हो जब स्कूल खुला हो (जहाँ तक संभव हो शनिवार) और दूसरा दिन छुट्टी का दिन हो (जहाँ तक संभव हो रविवार)।

एक गाँव में असर सर्वेक्षण की पूरी प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण चरणबद्ध तरीके से नीचे दिया गया है।

असर मास्टर ट्रेनर द्वारा बताए गए गाँव में दो सर्वेक्षकों की टीम जाएगी। सर्वेक्षक ट्रेनिंग में दिए गए गाँव के पैक (Village Pack) की पूरी सामग्री सर्वेक्षण के दौरान गाँव में लेकर जाएं।

↓

गाँव में पहुँचने के बाद सर्वेक्षक *सरपंच/गाँव के किसी अन्य प्रतिनिधि से मिलें* और निम्नलिखित काम करें:

- स्पष्ट रूप से समझाएं कि असर क्या है और यह क्यों महत्वपूर्ण है।
- उन्हें ''सरपंच के नाम का पत्र दें'' और उनसे गाँव में सर्वेक्षण करने की अनुमति लें।

↓

इसके बाद सर्वेक्षक *पूरे गाँव का भ्रमण करें* और निम्नलिखित काम करें:

- पूरे गाँव का एक कच्चा नक्शा बनाएं और उस पर मुख्य स्थान चिन्हित करें। पूरे गाँव के भ्रमण के बाद सर्वेक्षक सर्वे पुस्तिका पर पक्का नक्शा बनाएं।
- केवल अपने अवलोकन के आधार पर गाँव की जानकारी प्रपत्र भरें।

↓

सर्वेक्षक 1-4/5 की कक्षाओं वाले *सरकारी स्कूल में जाएं।*

- मुख्य अध्यापक/वरिष्ठ शिक्षक से मिलें और उन्हें समझाएं कि असर क्या है और यह महत्वपूर्ण क्यों है।
- उन्हें ''मुख्य अध्यापक के नाम का पत्र'' दें और उनसे विद्यालय की जानकारी लेने की अनुमति लें।
- विद्यालय की जानकारी लें और उसे विद्यालय अवलोकन प्रपत्र पर दर्ज करें।

↓

सर्वेक्षक नक्शे को *4 हिस्सों में बाँटें या 4 मुहल्ले चुने और चुने गए हिस्से/मुहल्ले से कुल 20 घरों का सर्वेक्षण करें।*

↓

प्रत्येक घर में जाकर सर्वेक्षक निम्नलिखित काम करें:

- आयु वर्ग 3–16 के बच्चों की जानकारी नोट करें।
- आयु वर्ग 5–16 के बच्चों की बुनियादी पढ़ने और गणित की जाँच दिए गए टेस्टिंग टूल से करें। बच्चों की जाँच *केवल* घर में ही की जानी चाहिए।

↓

20 घरों का सर्वेक्षण समाप्त करने के बाद सर्वेक्षक पूर्ण रूप से भरी हुई सर्वे पुस्तिका तुरंत असर मास्टर ट्रेनर को दें।

C. गाँव में जाकर क्या करें?

भाग 1: गाँव की जानकारी कैसे इकट्ठा करें

उद्देश्यः आप जिस गाँव का सर्वेक्षण करने जा रहे हैं उसकी मुख्य बातों को समझने के लिए।

आपको एक गाँव का नाम दिया जाएगा। एक गाँव में दो सर्वेक्षक जाएंगे। आपको उसी गाँव में जाना है जिसका नाम आपको दिया गया है।

गाँव के सरपंच से मिलें और उन्हें 'सरपंच के लिए पत्र' देते हुए समझाएं कि असर क्या है। यदि सरपंच मौजूद नहीं हैं तो गाँव के किसी अन्य प्रतिनिधि जैसे कि पंचायत सचिव से मिलें। उन्हें असर की जानकारी देने और उनसे सर्वेक्षण के लिए सहायता माँगने के पश्चात, गाँव की जानकारी प्राप्त करने के लिए गाँव में घूमना शुरू करें।

- जब आप गाँव में घूम रहे हैं, तो अवलोकन करें कि क्या आप नीचे दी गई चीज़ों को देख पाते हैं। यदि यह चीजें आपको दिखती हैं तो उचित खाने में सही का निशान लगाएं। यदि आप इन चीज़ों को स्वयं नहीं देख पाते हैं तो गाँव के लोगों से पूछें परन्तु खुद इसको सत्यापित करें।

- ''गाँव की जानकारी प्रपत्र'' पर राज्य, ज़िला, ब्लॉक/तालुका, गाँव का नाम, सर्वेक्षकों का नाम, सर्वे का दिनाँक और दिन लिखें।

उदाहरणः

गाँव की जानकारी प्रपत्र

राज्य का नाम	महाराष्ट्र	ब्लॉक का नाम	चंद्रपुर
ज़िले का नाम	वरधा	गाँव का नाम	वैफाद
सर्वेक्षकों का नाम		शालिनी मुस्कान	
सर्वे का दिनांक	10.08.2013	सर्वे का दिन	शनिवार

	उचित स्थान पर सही (✓) का निशान लगाएं	क्या आपने गाँव में निम्नलिखित सुविधाओं को खुद देखा? (अपने अवलोकन के आधार पर हाँ/नहीं पर निशान लगाएं)		निर्देश
बुनियादी सेवाएं	क्या गाँव में जाने के लिये पक्की सड़क है?	हाँ ✓	नहीं	
	क्या गाँव में बिजली कनेक्शन है?	हाँ ✓	नहीं	बिजली के खंभे और तार इत्यादि को देखें।
	क्या गाँव में डाकघर है?	हाँ	नहीं ✓	डाकघर की बिल्डिंग और संकेतक बोर्ड को देखें।
	क्या गाँव में बैंक है (किसी भी प्रकार का)?	हाँ	नहीं ✓	किसी भी प्रकार का बैंक (सरकारी/निजी/कॉपरेटिव)
	क्या गाँव में सरकारी राशन/PDS की दुकान है?	हाँ	नहीं ✓	सिर्फ सरकारी राशन/PDS (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) की दुकान होनी चाहिए।
	क्या गाँव में सरकारी स्वास्थ्य/उप स्वास्थ्य केन्द्र (PHC/Sub Centre) है?	हाँ ✓	नहीं	
	क्या गाँव में निजी स्वास्थ्य केन्द्र है?	हाँ ✓	नहीं	किसी भी प्रकार का क्लीनिक/चिकित्सक होना चाहिए जिससे यह पता चल सके कि गाँव में निजी स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध है। (इसमें हकीम, वैद्य इत्यादि को शामिल न करें)
	क्या गाँव में कम्पयूटर सेंटर/इंटरनेट कैफे है?	हाँ	नहीं ✓	गाँव में कम्पयूटर केन्द्र/ इंटरनेट कैफे है या नहीं। (किसी के घर का कम्पयूटर (निजी) और विद्यालय के कम्पयूटर को इसमें शामिल न करें)
	क्या गाँव में सौर ऊर्जा (solar energy) का प्रयोग करने वाले उपकरण/सुविधा है? (निजी/सार्वजनिक)	हाँ	नहीं ✓	गाँव में सौर ऊर्जा के उपकरण को देखने का प्रयास करें भले ही वह उपकरण सार्वजनिक उपयोग के लिए न हो।
स्कूल	क्या गाँव में सरकारी प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 4/5 तक) है?	हाँ ✓	नहीं	
	क्या गाँव में सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 7/8 तक) है?	हाँ	नहीं ✓	
	क्या गाँव में सरकारी माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 10 तक) है?	हाँ	नहीं ✓	
	क्या गाँव में सरकारी विद्यालय (कक्षा 6 से 8/10/12 तक) है?	हाँ ✓	नहीं	
	क्या गाँव में निजी (private) विद्यालय है?	हाँ ✓	नहीं	
	क्या गाँव में पूर्व प्राथमिक विद्यालय है? (आंगनवाड़ी/बालवाड़ी/LKG/UKG/Nursery)	हाँ	नहीं ✓	

भाग 2: गाँव का नक्शा कैसे बनाएं और उसे हिस्से/मुहल्ले में कैसे बाँटें

उद्देश्य: नक्शे की मदद से गाँव को विभिन्न हिस्सों/मुहल्लों में बाँटने में और रैंडम रूप से घरों का चयन करने में सहायता मिलती है। नक्शे से हमें बाद में रीचेक (Recheck) में भी मदद मिलती है।

पूरे गाँव में 20 रैंडम रूप से चुने हुए घरों की जानकारी लेनी है।

नक्शा बनाना कैसे शुरू करें: गाँव में भ्रमण करते हुए गाँव के लोगों से बातचीत करें।

- नक्शा बनाने से पहले गाँव को अच्छी तरह से जानने के लिए पूरे गाँव का भ्रमण करें। **लोगों से बातचीत करें:** गाँव में कितने हिस्से/मुहल्ले हैं? ये कहाँ–कहाँ बसे हैं? गाँव के भ्रमण में बच्चों की सहायता लें। लोगों को असर के बारे में बताएं। इस घूमने और बातचीत की प्रक्रिया में लगभग 1 घंटा या उससे अधिक समय लग सकता है।

नक्शा

- **कच्चा नक्शा:** गाँव की आबादी किस तरह बसी हुई है यह जानकारी लेने के लिए हम कच्चा नक्शा बनाते हैं। गाँव के लोगों की सहायता से मुख्य स्थान जैसे कि मंदिर, मस्जिद, नदी, विद्यालय, बस स्टैंड, पंचायत भवन, दुकानें आदि को चिन्हित करें। नक्शे पर गाँव की मुख्य सड़कें/गलियाँ/रास्तों को स्पष्ट रूप से दर्शाएं।
- **पक्का नक्शा:** जब सब की सहमति मिल जाए कि आपके द्वारा बनाया गया कच्चा नक्शा गाँव का सही निरूपण है और यह आपके गाँव में घूमने से प्राप्त अनुमान से मिलता है, तो आप इस नक्शे को सर्वे पुस्तिका में दी गई जगह में बनाएं।

नक्शा बनाने के पश्चात, गाँव को हिस्सों/मुहल्लों में निम्नलिखित तरीके से बाँटे:

आपके द्वारा बनाए गए गाँव के नक्शे पर हिस्से/मुहल्ले को किस तरह चिन्हित करें और नंबर दें?

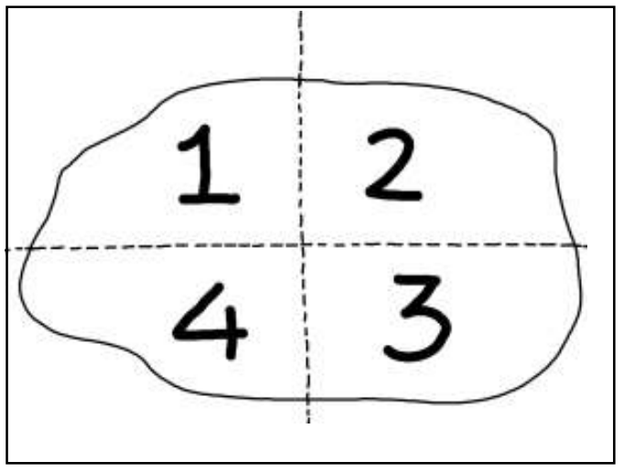

1. समान रूप से फैली आबादी वाला गाँव

यदि गाँव की आबादी समान रूप से फैली हुई है तो:

- आप पूरे गाँव को उसकी भौगोलिक स्थिति के अनुसार 4 हिस्सों में बाँटें।
- हर हिस्से को एक नंबर दें और वह नंबर नक्शे पर लिखें।
- हर हिस्से से 5 घरों को चुनें।

(दिए गए उदाहरण को देखें)

2. विभिन्न हिस्से/मुहल्ले वाला गाँव

यदि गाँव में अलग/विभिन्न हिस्से/मुहल्ले हैं:

- हर हिस्से/मुहल्ले को एक नंबर दें और वह नंबर नक्शे पर लिखें।

अगर गाँव में:

- **2 हिस्से-मुहल्ले हैं:** हर हिस्से/मुहल्ले को दो हिस्सों में बाँटें और हर हिस्से से 5 घरों को चुनें।
- **3 हिस्से/मुहल्ले हैं:** 2 हिस्सों से 7–7 घरों को चुनें और एक हिस्से/मुहल्ले से 6 घरों को चुनें।
- **4 हिस्से/मुहल्ले हैं:** हर हिस्से से 5 घरों को चुनें।
- **4 से ज़्यादा हिस्से-मुहल्ले हैं:** रैन्डमली कोई भी 4 हिस्से/मुहल्लों को चुनें और प्रत्येक हिस्से में से 5 घरों को चुनें। चुने गए हिस्से/मुहल्ले को नक्शे पर चिन्हित करें (सही का निशान लगाएं)।

(दिए गए उदाहरण को देखें)

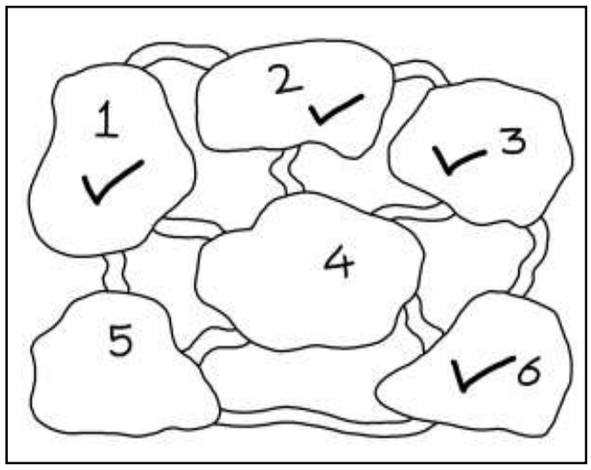

भाग 3: हर हिस्से/मुहल्ले में जाकर क्या करें

उद्देश्य: चयनित हिस्सों/मुहल्लों में से 20 घरों को रैंडम रूप से चुनने के लिए।

आपके द्वारा चुने हुए हर एक हिस्से/मुहल्ले में से 5 घरों को चुनें। इसके लिए निम्नलिखित कार्यविधि का पालन करें:

- हर चयनित हिस्से/मुहल्ले में जाएं। उस हिस्से/मुहल्ले का मध्य बिन्दु खोज़ें और अपनी बाएं तरफ से घरों का चयन शुरु करें।
- आप हर पाँचवें घर को चुनें। अपनी बाएं तरफ के पहले घर से शुरू करें। इस घर के सर्वेक्षण के बाद अगले 4 घरों को छोड़ दें और पाँचवें घर को सर्वेक्षण के लिए चुनें। घरों का चयन करते समय यह ध्यान रखें कि हम उन्हीं घरों की गणना करें जो अवासीय हैं। ''घर'' का मतलब हैं 'प्रत्येक दरवाजा या प्रवेश द्वार' जो सड़क/गली में निकलता है।
- यदि पाँच घरों के चयन से पहले हिस्से/मुहल्ले की सीमा समाप्त हो जाए तो फिर से उस हिस्से/मुहल्ले का दौरा चालू करें। ''हर पाँचवें घर'' के नियम का पालन करते हुए, उस हिस्से का सर्वेक्षण जारी रखें। यदि सर्वेक्षण किया हुआ घर फिर से चुना जाए तो आप उस घर को छोड़ दें और बगल वाले घर का सर्वेक्षण करें। सर्वेक्षण तब तक जारी रखें जब तक उस हिस्से/मुहल्ले से 5 घरों का सर्वेक्षण न हो जाए।

- यदि किसी चयनित हिस्से/मुहल्ले में 5 से कम घर हैं तो उस हिस्से/मुहल्ले से सभी घरों का सर्वेक्षण करें और बचे हुए घरों का सर्वेक्षण दूसरे हिस्से–मुहल्ले से करें।
- यदि गाँव में घरों की संख्या 20 से कम है, तो उस गाँव के सभी घरों का सर्वेक्षण करें।

1. **घर में एक से ज़्यादा रसोई:** घर में पूछें कि कितनी रसोई/चूल्हे हैं? यदि एक से ज़्यादा चूल्हा/रसोई हो तो उत्तरदाता का परिवार जिस रसोई से खाता है[1] उसको चुनें। आप उन्हीं लोगों का सर्वेक्षण करेंगे जो नियमित रुप से उसी चूल्हे से खाना खाते हैं। इस घर का सर्वेक्षण करने के पश्चात् अगले पाँचवें घर में जाएं (ऐसी स्थिति में सड़क पर अगले घर से गिनती प्रारंभ करें, न कि अगले चूल्हे से)।

घर में एक से ज़्यादा रसोई

बिना बच्चे वाला घर

2. **बिना बच्चे वाला घर:** यदि चयनित घर में एक भी बच्चा 3–16 आयु के बीच में न हो परन्तु घर में अन्य लोग रहते हों तो ऐसे घर को सर्वेक्षण में शामिल करें। घर के मुखिया का नाम, कुल लोगों की संख्या, घर की परिसंपत्ति (Assets), उत्तरदाता का नाम और मोबाइल नंबर की जानकारी लें। नक्शे पर दी गई हिस्से/मुहल्ले की संख्या भी लिखें जिससे वह घर लिया गया है। ऐसा घर हर हिस्से/मुहल्ले में से 5 सर्वेक्षण किए गए घरों में गिना जाएगा **परन्तु ऐसे घर में माता या पिता की जानकारी नहीं ली जाएगी।**

3. **बन्द घर:** यदि चुना हुआ घर बन्द हो या घर में कोई नहीं हो तो इस घर को गाँव संकलन (village compilation) प्रपत्र (सर्वे पुस्तिका के पीछे) पर 'बंद घर' की श्रेणी में दर्ज करें। यह घर सर्वेक्षण किए घरों में नहीं गिना जाएगा। इस घर को सर्वेक्षण शीट में दर्ज न करें। आप बगल वाले घर में जाएं।

बन्द घर

कोई प्रतिक्रिया नहीं

4. **कोई प्रतिक्रिया नहीं (No response):** यदि किसी घर के लोग सर्वेक्षण में भाग लेने से मना करते हैं तो उस घर को गाँव संकलन (village compilation) प्रपत्र पर ''कोई प्रतिक्रिया नहीं'' श्रेणी में दर्ज करें। यह घर भी सर्वेक्षण किए घरों में नहीं गिना जाएगा। इस घर को सर्वेक्षण शीट में दर्ज न करें। आप बगल वाले घर में जाएं।

[1]उत्तरदाता = चयनित घर में उपस्थित वयस्क व्यक्ति जिससे बातचीत की जा रही हो और जो आपको जानकारी दे रहा हो।

- हर हिस्से/मुहल्ले में 5 घरों का सर्वेक्षण करने के बाद रुक जाएं।

  अब दूसरे चुने हुए हिस्से/मुहल्ले में जाएं।

  उपर्युक्त प्रक्रिया के अनुसार ''पाँचवें घर के नियम'' का पालन करते हुए सर्वेक्षण करें।

- इस बात का ध्यान रखें कि आप सर्वेक्षण करने तभी जाएं जब बच्चों के घर पर होने की संभावना हो।

  इसका अर्थ हुआ कि आप रविवार/छुट्टी वाले दिन या स्कूल समय के बाद ही घरों का सर्वेक्षण करें।

संक्षेपः 'गाँव में जाकर क्या करें'?

√ गाँव के सरपंच से मिलें और उन्हें ''सरपंच के नाम का पत्र'' देते हुए समझाएं कि असर क्या है।

√ गाँव को समझने के लिए पूरे गाँव में घूमें, अवलोकन करें और उसके अनुसार ''गाँव की जानकारी प्रपत्र'' भरें।

√ जब आप गाँव में घूम रहे हों तो नक्शा बनाना शुरू करें ।

पहले एक कच्चा नक्शा तैयार करें, फिर उसे सुनिश्चित करें।

√ अगर गाँव हिस्सों/मुहल्लों में न बँटा हो तो गाँव को बताए गए तरीके से 4 हिस्सों में बाँटें।

√ अगर गाँव विभिन्न हिस्सों/मुहल्लों में बँटा हो तो हर हिस्से/मुहल्ले को एक नंबर दें और वह नंबर नक्शे पर लिखें। किन्हीं 4 हिस्से/मुहल्लों को रैन्डम रूप से सर्वेक्षण के लिए चुनें।

√ हर चयनित हिस्से/मुहल्ले में पाँचवे घर के नियम के अनुसार सर्वेक्षण करने के लिए घरों को चुनें।

हर चयनित हिस्से/मुहल्ले से 5 घरों का सर्वेक्षण करना है।

√ अगर किसी घर में एक से ज़्यादा रसोई हो तो उस रसोई को चुने जहाँ से उत्तरदाता का परिवार खाता हो।

√ यदि चयनित घर में बच्चे न हों, तब भी उस घर को चयनित घरों में शामिल करें और इस घर की परिसंपत्ति (assets) की जानकारी लें।

√ यदि कोई घर बंद हो या उस घर से कोई प्रतिक्रिया न मिले (No response), तो ऐसे घर को चयनित घरों में शामिल न करें और अगले घर को सर्वेक्षण के लिए चुनें।

√ बंद घर और कोई प्रतिक्रिया नहीं (No response) मिलने वाले घरों को गाँव संकलन (village compilation) प्रपत्र में दर्ज करें।

√ सर्वेक्षण तब तक जारी रखें जब तक चारों हिस्से/मुहल्लों में से 20 घरों का सर्वेक्षण न हो जाए।

असर 2013 - घर सर्वेक्षण प्रपत्र

राज्य:________ ज़िला:________ ब्लॉक:________ गाँव:________

ASER 2013 — Annual Status of Education Report, Facilitated by PRATHAM

भाग-1

घर का नंबर	

घर के मुखिया का पूरा नाम ________

परिवार के उन लोगों की कुल संख्या जो एक ही चूल्हे से खाते हैं [ ]

उत्तरदाता का नाम	
नक्शे से हिस्से/मुहल्ले का नंबर और/या हिस्से/मुहल्ले का नाम लिखें	

सर्वेक्षकों का नाम

1. ________
2. ________

सर्वे का दिनांक ________

सर्वे का दिन ________

सर्वे शुरू करने का समय ________

भाग-2

क्र. संख्या	माता का नाम	बच्चे की जानकारी (आयु वर्ग 3–16 के लिए): बच्चे का नाम (आयु 3–16 के वे बच्चे जो इस घर में नियमित रूप से रहते हैं)	आयु	लिंग	आयु वर्ग 3–6 के लिए: पूर्व प्राथमिक आयु वर्ग के बच्चे (आयु 3–6): आंगनवाड़ी/बालवाड़ी	LKG/UKG/Nursery	न जाने वाले	आयु वर्ग 5–16 के लिए: स्कूल जाने वाले बच्चे (जो अभी स्कूल में नामांकित हैं) (आयु 5–16): कक्षा	सरकारी	प्राइवेट/निजी	मदरसा	EGS/AIE, अन्य	स्कूल न जाने वाले बच्चे (जो अभी स्कूल में नामांकित नहीं हैं) (आयु 5–16): स्कूल में कभी नामांकन नहीं हुआ	ड्रापआउट: ड्रापआउट	आपने कौन सी कक्षा से स्कूल जाना छोड़ा?	आपने कौन से वर्ष से स्कूल जाना छोड़ा (जैसे: 2006)?	ट्यूशन: क्या बच्चा पैसे देकर ट्यूशन पढ़ने जाता है? हाँ	नहीं	यदि हाँ: आप ट्यूशन के लिए प्रति माह कितना पैसा खर्च करते हैं? (केवल संख्या लिखें)	क्या बच्चा सर्वे किये गये विद्यालय में जाता है? हाँ	नहीं	बच्चे के स्कूल में किस भाषा में पढ़ाया जाता है? (निर्देश का माध्यम)	आयु वर्ग 5–16 के लिए — बुनियादी शिक्षण स्तर (केवल आयु वर्ग 5–16 के सभी बच्चों की जाँच करें): बच्चे के पढ़ने की जाँच किस भाषा में की गयी?	बच्चे की जाँच किस सैम्पल से की गयी? (1/2/3/4)	पढ़ना (केवल उच्चतम स्तर पर ✓ का निशान लगाएं): प्रारंभिक	अक्षर	शब्द	अनुच्छेद	कहानी	गणित (केवल उच्चतम स्तर पर ✓ का निशान लगाएं): प्रारंभिक	अंक पहचान 1–9 तक	संख्या पहचान 10–99 तक	घटाव	भाग	पिता की जानकारी: आयु	क्या पिता कभी स्कूल गये हैं? हाँ	नहीं	स्कूल गये हैं तो कौन सी कक्षा तक पढ़ाई पूरी की?
1																																							
2																																							
3																																							
4																																							
5																																							
6																																							
7																																							
8																																							
		कुल																																					

भाग-2

माताओं की जानकारी

क्र. संख्या	माता का नाम	आयु	क्या माता कभी स्कूल गयी हैं? हाँ	नहीं	स्कूल गयी हैं तो कौन सी कक्षा तक पढ़ाई पूरी की?
1.					
2.					
3.					
4.					

भाग-3

घरेलू सर्केतक (उचित स्थान पर निशान लगायें)

घर किस प्रकार का है: कच्चा	आधा कच्चा	पक्का (दीवार, छत, फर्श सीमेंट और पत्थर से बनी हुई)	मोटर चालित दुपहिया वाहन (मोटरसाईकिल/स्कूटर): हाँ	नहीं	बिजली का कनेक्शन है? (तार व फिटिंग को देखें): हाँ	नहीं	यदि घर में बिजली का कनेक्शन है, तो क्या आज बिजली थी?: हाँ	नहीं	घर में शौचालय है?: हाँ	नहीं	घर में टी.वी. है?: हाँ	नहीं	यदि घर में टी.वी. है तो क्या केबल टी.वी. है? (भुगतान करके प्राप्त सुविधा): हाँ	नहीं	पढ़ने की सामग्री (स्कूल की किताबों के अलावा): अखबार रोज़ आता है (पूछें): हाँ	नहीं	अन्य (किताबें, पत्रिका, व धार्मिक किताबें इत्यादि): हाँ	नहीं

घर में किसी के पास मोबाइल फोन है?	हाँ	नहीं

यदि हाँ, तो मोबाइल नंबर क्या है? ________

क्या घर में किसी ने 12 वीं कक्षा पूरी की है?* हाँ	नहीं	पता नहीं

*उपर्युक्त माता और पिता को इसमें शामिल न करें।

क्या घर में किसी को कम्प्यूटर इस्तेमाल करना आता है? हाँ	नहीं

सर्वे खत्म करने का समय

D. हर घर में क्या करें?

उद्देश्यः चयनित घरों की जानकारी लेने के लिए।

भाग 1: सामान्य जानकारी

घर सर्वेक्षण प्रपत्र के भाग 1 को देखें।

घर सर्वेक्षण प्रपत्र के ऊपरी हिस्से में घर से संबंधित सामान्य जानकारी भरें:

- **घर का नम्बरः** प्रत्येक प्रपत्र पर घर की संख्या लिखें। सर्वेक्षण किए गए पहले घर के लिए '1' नंबर डालें, सर्वेक्षण किए गए दूसरे घर के लिए '2' नंबर डालें और इसी प्रकार से बीस घर पूरे होने तक करें।

- **परिवार के उन लोगों की कुल संख्या जो एक ही चूल्हे से खाते हैं:** घर में उपस्थित वयस्कों से यह संख्या प्राप्त करें और उसे लिखें। यदि घर में एक से अधिक रसोई/ चूल्हें हैं, तो केवल उन्हीं लोगों की संख्या लिखें जो नियमित रूप से उसी चूल्हे से खाते हैं।

- **निम्नलिखित नोट करें:**
  - उत्तरदाता का नामः उत्तरदाता चयनित घर में उपस्थित वह वयस्क व्यक्ति है जिससे सर्वेक्षण के दौरान बातचीत की जा रही हो और जो आपको जानकारी दे रहा हो।
  - नक्शे से उस हिस्से/मुहल्ले का नंबर और/या हिस्से/मुहल्ले का नाम लिखें जिसमें से वह घर चुना गया है।

भाग 2: घर में रहने वाले बच्चों और वयस्कों से संबंधित जानकारी

घर सर्वेक्षण प्रपत्र के भाग 2 को देखें।

घर सर्वेक्षण प्रपत्र में ऐसे किसी भी व्यक्ति की जानकारी नहीं लिखी जाएगी जो नियमित रूप से उस घर में नहीं रहता और उसी चूल्हे से नहीं खाता है।

सर्वेक्षण के लिए चुने गए घर में 3–16 आयु के उन सभी बच्चों के संबंध में जानकारी एकत्रित करें जो नियमित रूप से उस घर में रहते हैं तथा उसी रसोई (चूल्हे) से खाना खाते हैं। इन बच्चों की पहचान करने के लिए घर के सदस्यों की सहायता लें। ऐसे सभी बच्चों को शामिल करें, भले ही उनके माता पिता दूसरे गाँव में रहते हों या वे घर में काम करने वालों के बच्चे हों।

बच्चों को चुनने के नियम

1. **बड़े बच्चेः** अक्सर 11 से 16 वर्ष के लड़के और लड़कियों को बच्चा नहीं माना जाता है। उन्हें "बच्चे" कहकर संबोधित न करें। यह पता करें कि घर में कौन–कौन रहता है जिससे कि इस आयु वर्ग का कोई भी व्यक्ति छूट न जाए। अक्सर बड़े बच्चे जो पढ़ नहीं सकते वे जाँच के लिए बहुत हिचकिचाते और शर्माते हैं । इस बात पर विशेष ध्यान दें।
2. **बच्चा जो सर्वेक्षण के समय घर पर नहीं हैं:** अक्सर बच्चे घर के या खेती के कार्य में व्यस्त रहते हैं। यदि कोई बच्चा घर पर नहीं है पर गाँव में ही है तब आप उस बच्चे की जानकारी लिख लें जैसे बच्चे का नाम, आयु और स्कूली शिक्षण स्थिति। घर के सदस्यों से कहें कि वह उस बच्चे को बुला लें ताकि आप उस बच्चे से स्वयं बात कर सकें। यदि वह उसी समय नहीं आ पाता है तो उस घर को चिन्हित करें और जब अन्य घरों का सर्वेक्षण पूरा हो जाए तो पुनः एक बार उस घर में जाएं। यदि ऐसे बच्चे हैं जो सर्वेक्षण के दिन गाँव से बाहर हों परन्तु नियमित रूप से उसी घर में रहते हों, जैसे यदि कोई बच्चा अपने रिश्तेदारों से मिलने गया हो, तो हम उन बच्चों की जानकारी लिखेंगे भले ही हम उनके पढ़ने और गणित की जाँच न कर पाएं।
3. **बच्चे जो रिश्तेदार हैं पर सर्वेक्षण के लिए चुने गए घर में नियमित रूप से रहते हैं:** हम इन बच्चों को शामिल करेंगे क्योंकि वे नियमित रूप से चयनित घर में रहते हैं। परन्तु यदि उनके माता पिता उस घर में नियमित रूप से नहीं रहते तो हम उनके माता पिता की कोई जानकारी नहीं लेंगे।
4. **बच्चे जो नियमित रूप से सर्वेक्षण के लिए चुने गए घर में नहीं रहते:** ऐसे बच्चों को सर्वेक्षण में शामिल न करें जो नियमित रूप से उस घर में नहीं रहते हैं, जैसे वे बच्चे जो पढ़ाई के लिए किसी अन्य गाँव में रह रहे हों या वे बच्चे जिनकी शादी हो गई हो और वे किसी अन्य गाँव में रहते हों।

5. **बाहर से आए हुए बच्चे:** ऐसे बच्चों को शामिल न करें जो चयनित घर में अपने रिश्तेदारों या दोस्तों से मिलने आए हैं क्योंकि वे चयनित घर में नियमित रूप से नहीं रहते।

बहुत से बच्चे आपके पास आएंगे और जाँच में सम्मिलित होना चाहेंगे। ऐसे बच्चों को निराश न करें। आप उनसे बातचीत कर सकते हैं । परन्तु आंकड़ें केवल उन्हीं बच्चों के दर्ज किए जाएंगे जो रैंडम रूप से चयनित 20 घरों में नियमित रूप से रहते हैं।

माता के संदर्भ में जानकारी: हर बच्चे की जानकारी की पंक्ति की शुरुआत में, बच्चे की माता का नाम पूछें। बच्चे की माता का नाम तभी नोट करें यदि वह जीवित हैं तथा नियमित रूप से इस घर में रहती हैं। यदि बच्चे की माता की मृत्यु हो चुकी है या वह नियमित रूप से इस घर में नहीं रहती हैं तो हम उनका नाम नोट **नहीं** करेंगे। यदि बच्चे की माता की मृत्यु हो चुकी है या उनका तलाक हो चुका है तथा बच्चे की सौतेली माता (बच्चे के पिता की मौजूदा पत्नी) घर में रह रही है, तो हम उनका नाम बच्चे की माता के रूप में लिखेंगे। दिए गए खाने में (माताओं की जानकारी) माता की आयु और शिक्षण स्थिति नोट करें।

बच्चे:

अब जबकि हम जान गए हैं कि किन बच्चों का सर्वेक्षण करना है तो आएं देखें कि हर बच्चे के लिए क्या जानकारी इकट्ठी करनी है। याद रखे कि हर बच्चे के लिए घरेलू प्रपत्र की एक पंक्ति का प्रयोग होगा।

- **बच्चे का नाम, आयु और लिंग:** सर्वेक्षण के लिए चयनित हर बच्चे का नाम, आयु और लिंग लिखें। लिंग के अर्न्तगत् लड़कियों के लिए 'F' लिखें और लड़कों के लिए 'M' लिखें। (F= Female, M= Male)

- **3–6 आयु वर्ग के बच्चे:** पहला कॉलम ''पूर्व प्राथमिक आयु वर्ग के बच्चे (आयु 3–6)'' घर में सिर्फ 3–6 आयु के सभी बच्चों के लिए ही पूछें। घर सर्वेक्षण प्रपत्र में नोट करें कि क्या वे आंगनवाड़ी/बालवाड़ी या Nursery/LKG/UKG आदि में जाते हैं। यदि बच्चा आंगनवाड़ी/पूर्व प्राथमिक विद्यालय में नहीं जाता हो तो उसको ''पूर्व प्राथमिक आयु वर्ग के बच्चे (आयु 3–6)'' वाले हिस्से में 'न जाने वाले' के अंतर्गत् नोट करें।

- **5–16 आयु वर्ग के बच्चों के लिए:** जानकारी के अन्य खंड केवल 5–16 आयु वर्ग के बच्चों के लिए भरें।

  स्कूल जाने वाले बच्चे (जो अभी स्कूल में नामांकित हैं): बच्चों की वर्तमान कक्षा तथा स्कूली स्थिति की जानकारी भरें।

  यदि बच्चा पूर्व प्रथमिक विद्यालय में जाता है तो कक्षा के खाने में निम्न शब्द लिखें:

  Nursery के लिए "NUR" लिखें, LKG के लिए "LKG" लिखें, UKG के लिए "UKG" लिखें, आंगनवाड़ी के लिए "AW" लिखें, बालवाड़ी के लिए "BW" लिखें

  स्कूल न जाने वाले बच्चे (जो अभी स्कूल में नामांकित नहीं हैं):

  - यदि बच्चे का कभी स्कूल में नामांकन नहीं हुआ है तो ''स्कूल में कभी नामांकन नहीं हुआ'' के अंतर्गत् नोट करें।
  - यदि बच्चा ड्रापआउट हुआ है तो ''ड्रॉपआउट'' के अंतर्गत् नोट करें।

    वह कक्षा नोट करें जिसमें बच्चा पढ़ रहा था जब वह ड्रॉपआउट हुआ। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह उस कक्षा में पास हुआ या फेल। इस जानकारी को पूछते समय सावधानी रखें।

    वह वर्ष नोट करें जब बच्चे ने स्कूल जाना छोड़ा। उदाहरण के लिए, यदि बच्चा 2006 में ड्रॉपआउट हुआ तो '2006' लिखें। इस प्रकार से यदि बच्चा पिछले कुछ महीनों में ड्रापआउट हुआ तो '2013' लिखें।

  5–16 आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए:

  - उत्तरदाता से पूछें कि क्या 5–16 आयु वर्ग के बच्चे किसी प्रकार की ट्यूशन (अर्थात् विद्यालय से अतिरिक्त शुल्क देकर ग्रहण किया गया शिक्षण) लेते हैं। यदि हाँ, तो पूछें कि अभिभावक बच्चे की ट्यूशन के लिए हर महीने कितना शुल्क देते हैं। यदि उत्तरदाता यह जानकारी न दे पाए तो इस खाने को खाली छोड़ें। यदि बच्चा एक से ज़्यादा ट्यूशन लेता है तो सभी ट्यूशन के लिए दिए गए प्रति माह शुल्क को जोड़ कर दिए गए खाने में लिखे।
  - बच्चे से यह भी पूछें कि क्या वह उस सरकारी विद्यालय में जाता है जिसका आप सर्वेक्षण कर चुके हैं/सर्वेक्षण करने जा रहे हैं। यह जानकारी स्कूल न जाने वाले बच्चों से न पूछें।
  - 5–16 आयु वर्ग के सभी बच्चों की बुनियादी पढ़ने और गणित की जाँच की जाएगी। (यह हो सकता है कि छोटे बच्चे शायद बहुत अधिक न पढ़ पाएं या गणित के प्रश्न हल न कर पाएं, फिर भी इस आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए वही प्रक्रिया अपनाएं, जिससे प्रक्रिया में समानता बनी रहे।)

पिता के सन्दर्भ में जानकारी: हर बच्चे की जानकारी की पंक्ति के अंत में, हम बच्चे के पिता की आयु तथा शिक्षण संबंधी जानकारी लेते हैं। हम यह जानकारी तभी लेंगे जब पिता जीवित हैं तथा नियमित रूप से घर में रहते हैं। यदि बच्चे के पिता की मृत्यु हो चुकी है या वह नियमित रूप से घर में नहीं रहते हैं तो हम यह जानकारी **नहीं** नोट करेंगे। यदि बच्चे के पिता की मृत्यु हो चुकी है या उनका तलाक हो चुका है तथा बच्चे के सौतेले पिता (बच्चे की माता के मौजूदा पति) घर में रह रहे हैं, तो हम उनकी जानकारी बच्चे के पिता के रूप में लिखेंगे ।

विशेष ध्यान दें:

- **5 और 6 वर्ष के बच्चों के लिए दोनों खंड ''पूर्व प्राथमिक आयु वर्ग के बच्चे (आयु 3-6)'' और ''स्कूल जाने वाले बच्चे/स्कूल न जाने वाले बच्चे (आयु 5-16)'' के अंतर्गत् जानकारी दर्ज की जाएगी।**
- **5 और 6 आयु के बच्चों के लिए overlap करने वाले मुद्दे नीचे दिए गए उदाहरण से समझें।**

कुछ विशेष मामलों में छोटे बच्चों के लिए यह ध्यान में रखें

बच्चे की जानकारी (आयु वर्ग 3–16 के लिए)				पूर्व प्राथमिक आयु वर्ग के बच्चे (आयु 3–6)			स्कूल जाने वाले बच्चे (आयु 5–16)					स्कूल न जाने वाले बच्चे (जो अभी स्कूल में नामांकित नहीं है) (आयु 5–16)			
													ड्रापआउट		
क्र. संख्या	बच्चे का नाम (आयु 3–16 के वे बच्चे जो इस घर में नियमित रूप से रहते हैं)	आयु	लिंग	आंगनवाड़ी/ बालवाड़ी	LKG/UKG/ Nursery	न जाने वाले	कक्षा	सरकारी	प्राइवेट/निजी	मदरसा	EGS/AIE, अन्य	स्कूल में कभी नामांकन नहीं हुआ	ड्रापआउट	आपने कौन सी कक्षा से स्कूल जाना छोड़ा	आपने कौन से वर्ष से स्कूल जाना छोड़ा (जैसे: 2006)?
1	राहुल	5	M			√	1	√							
2	अंजली	6	F			√						√			
3	अमित	6	M		√		LKG		√						
4	सलीम	7	M				LKG		√						

Case 1: 5 वर्ष का एक बच्चा (राहुल) सरकारी स्कूल की कक्षा 1 में है। इस स्थिति में बच्चे की जानकारी 'पूर्व प्राथमिक आयु वर्ग के बच्चे (आयु 3–6)' में 'न जाने वाले' के अंतर्गत् नोट करें। 'स्कूल जाने वाले बच्चे (आयु 5–16)' के कक्षा कॉलम में '1' लिखें और 'सरकारी' कॉलम में चिन्हित करें।

Case 2: 6 वर्ष की एक बच्ची (अंजली) कहीं पढ़ने नहीं जाती है (न ही प्राथमिक विद्यालय में न ही किसी पूर्व प्राथमिक विद्यालय में)। इस स्थिति में 'पूर्व प्राथमिक आयु वर्ग के बच्चे (आयु 3–6)' खाने में 'न जाने वाले' के अंतर्गत् और 'स्कूल न जाने वाले बच्चे (आयु 5–16)' खाने में 'स्कूल में कभी नामांकन नहीं हुआ' के अंतर्गत् नोट करें।

Case 3: 6 वर्ष का एक बच्चा (अमित) निजी विद्यालय में LKG में पढ़ता है। इस स्थिति में 'पूर्व प्राथमिक आयु वर्ग के बच्चे (आयु 3–6)' के खाने में 'LKG/UKG/Nursery' के अंतर्गत् नोट करें और 'स्कूल जाने वाले बच्चे (आयु 5–16)' के खाने में कक्षा में 'LKG' लिखें तथा 'प्राइवेट/निजी' के अंतर्गत् नोट करें।

Case 4: 7 वर्ष का एक बच्चा (सलीम) निजी विद्यालय में LKG में पढ़ता है। इस बच्चे की जानकारी हम 'स्कूल जाने वाले बच्चे (आयु 5–16)' के अंतर्गत् नोट करेंगे न कि 'पूर्व प्राथमिक आयु वर्ग के बच्चे (आयु 3–6)' के अन्तर्गत्। कक्षा के कॉलम में 'LKG' लिखें और 'निजी' के अंतर्गत् नोट करें।

भाग 3: घरेलू संकेतक

घर सर्वेक्षण प्रपत्र के भाग 3 को देखें।

जहाँ तक संभव हो, घरेलू संकेतक स्वयं अवलोकन के आधार पर दर्ज करें। लेकिन अगर किसी कारण से यह संभव न हो तो सर्वेक्षण शीट में वह भरें जो घर के सदस्य कहें। परिसम्पत्ति जैसेः टी.वी./मोबाइल फोन आदि की स्थिति में यह पूछें कि क्या वे घर में हैं और क्या वह घर की संपत्ति हैं। यह जानकारी परिवार की आर्थिक स्थिति और बच्चे की शिक्षा के स्तर के आपसी संबंध को समझने के लिए ली जा रही है।

- **बच्चा कैसे घर में रहता है:** घरों का वर्गीकरण नीचे दिया गया है।
  - **पक्का मकानः** पक्का मकान उस मकान को कहते हैं जिसकी दीवारें और छत निम्न सामग्री से बनी हुई है।
    - दीवारों के लिये सामग्रीः भट्टी में पकी ईंटें, (सीमेंट और चूने से चिपकी हुई) सीमेंट, कंकरीट सीमेंट, इमारती लकड़ी इत्यादि।
    - छत के लिए सामग्रीः टाइल, सरिया (लोहे की छड़), धातु की चादर, एस्बेस्टोस सीमेंट की शीट, R.B.C. (Reinforced Brick Concrete), R.C.C. (Reinforced Cement Concrete) और इमारती लकड़ी इत्यादि।

- **कच्चा मकानः** अगर दीवार और छत ऊपर दी गई सामग्री के अलावा अन्य सामग्री जैसेः कच्ची ईंटें, बाँस, मिट्टी, घास, सरकण्डा, फूस इत्यादि से बनी हैं तो वह कच्चा मकान है।
- **आधा कच्चा मकानः** ऐसा मकान जिसकी दीवारें पक्की सामग्री से बनी हुई हैं परन्तु छत कच्ची है।

- **मोटर चालित दुपहिया वाहनः** घर के सदस्यों से पूछें कि क्या घर में दो पहिया वाहन जैसे मोटरसाईकल या स्कूटर है। यदि हाँ तो ''हाँ'' के अंतर्गत् नोट करें, अगर नहीं है तो ''नहीं'' के अंतर्गत् नोट करें।

- **घर में बिजलीः**
  - अवलोकन के दौरान यह देखे कि क्या घर में तारें/बिजली का मीटर और बिजली की फिटिंग, बल्ब है या नहीं और उसी के अनुसार ''हाँ'' या ''नहीं'' पर निशान लगाएं।
  - यदि घर में बिजली का कनैक्शन है, तो यह पूछें कि क्या आज घर में किसी समय पर बिजली थी। यह आवश्यक नहीं है कि बिजली तभी हो जब आप सर्वेक्षण कर रहे हैं।
- **शौचालयः** क्या घर में निर्मित शौचालय की व्यवस्था है? अपने अवलोकन के अनुसार ''हाँ'' या ''नहीं'' पर निशान लगाएं। यदि आप शौचालय खुद से नहीं देख पाते हैं तो पूछें कि क्या घर में निर्मित शौचालय है या नहीं।
- **टी.वी.:** यह देखते हुए कि क्या घर में टी.वी. है या नहीं, ''हाँ'' या ''नहीं'' पर सही का निशान लगाएं। यदि आप खुद से नहीं देख पाते हैं तो पूछें। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि टी.वी. चालू स्थिति में है या नहीं।
- **केबल टी.वी.:** यदि घर में टी.वी. है तो पूछें कि क्या घर में केबल टी.वी. है। इसमें कोई भी केबल सुविधा शामिल हो सकती है जिसके लिए घर के सदस्य पैसा देते हैं (इसमें डायरेक्ट टू होम (DTH) सुविधा भी शामिल है)। यदि केबल सुविधा है तो ''हाँ'' के अंतर्गत् नोट करें, अगर नहीं है तो ''नहीं'' के अंतर्गत् नोट करें।
- **पढ़ने की सामग्रीः**
  - **अखबारः** यदि घर पर रोज़ अखबार आता है तो ''हाँ'' पर सही का निशान लगाएं। अगर अखबार नहीं आता तो ''नहीं'' के अंतर्गत् नोट करें।
  - **अन्य पठन सामग्रीः** इसमें कहानी की किताबें, पत्रिका, धार्मिक पुस्तकें आदी शामिल हैं पर कैलेण्डर और विद्यालय की पाठ्य पुस्तक शामिल नहीं है। अगर घर में ऊपर दी गईं अन्य पठन सामग्री हो तो ''हाँ'' के अर्न्तगत नोट करें अन्यथा ''नहीं'' के अंतर्गत् नोट करें।

घर के लिए अन्य प्रश्नः

- यदि घर में किसी भी व्यक्ति (इसमें उन माताओं और पिताओं को शामिल न करें जिनकी जानकारी इस प्रपत्र में पहले ही भरी जा चुकी है) ने कक्षा 12 तक शिक्षा पूरी की हो तो ''हाँ'' पर सही का निशान लगाएं।
- यदि घर में कोई भी कम्पयूटर का प्रयोग करना जानता हो तो ''हाँ'' पर सही का निशान लगाएं।
- यदि घर में मोबाइल फोन है तो ''हाँ'' के अंतर्गत् सही का निशान लगाएं और अगले कॉलम में मोबाइल नंबर नोट करें। यह मोबाइल नंबर सिर्फ रीचेक (Recheck) के लिए इस्तेमाल किया जाएगा न कि किसी अन्य संदर्भ में। कृपया परिवार के सदस्यों को मोबाइल नंबर लेने की यह वजह बताएं।

यदि आपको घर सर्वेक्षण प्रपत्र में पूछे गए किसी प्रश्न का उत्तर नहीं मिलता है तो उस खाने को खाली छोड़ दें।

विनम्रता बनाए रखें। अक्सर भीड़ जमा हो जाती है और लोग जानना चाहते हैं कि आप क्या कर रहे हैं। उन्हें बताएं कि आप क्या कर रहे हैं और क्यों। उन्हें ''असर'' के बारे में बताएं। सर्वेक्षण समाप्त होने पर घर के लोगों को धन्यवाद ज़रूर दें।

संक्षेपः घर में क्या करें?

- √ प्रत्येक प्रपत्र पर घर का नंबर लिखें। पता करें कि उस घर में कितने सदस्य नियमित रूप से रहते हैं और उसी चूल्हे से खाना खाते हैं।
- √ उस घर से आयु 3–16 के ऐसे सभी बच्चों की उचित जानकारी एकत्रित करें जो नियमित रूप से उस घर में रहते हैं और उसी चूल्हे से खाते हैं।
- √ उन माताओं और पिताओं की जानकारी लें जिनके बच्चों के नाम "घर सर्वेक्षण प्रपत्र" में लिखे हैं, और जो नियमित रूप से उस घर में रहते हैं और उसी चूल्हे से खाते हैं। इसके अतिरिक्त घरेलू संकेतकों की भी जानकारी लें।
- √ 5–16 आयु के बच्चों की बुनियादी पढ़ने और गणित की जाँच उपयुक्त टूल से करें।

E. बच्चों के साथ क्या करें?

उद्देश्यः हम 5–16 आयु के बच्चों की जाँच यह जानने के लिए करते हैं कि भाषा और गणित में उनका उच्चतम स्तर क्या है जिसे वह आसानी से कर सकते हैं।

भाग 1: टेस्टिंग - सामान्य निर्देश

क्या जाँचें: बच्चों के सरल पाठ पढ़ने की क्षमता (उनकी प्राथमिक भाषा में) एवं बुनियादी गणित करने की क्षमता की जाँच की जाएगी। पहले हम पढ़ने की जाँच करेंगे और उसके बाद गणित की।

किसकी जाँच करें: सर्वेक्षित घरों के 5–16 आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे की दोनों टूल (भाषा और गणित) से जाँच करें।

हम कैसे जाँच करेंगे: यह बहुत महत्वपूर्ण है कि जब हम बच्चों की जाँच करें, तो हमारी मनोस्थिति सही हो। हम लोग गाँव में न ही बच्चों की 'परीक्षा' लेने के लिए जा रहे हैं और न ही मूल्यांकनकर्ता के रूप में जा रहे हैं। हम सिर्फ ये जानना चाहते हैं कि बच्चे पढ़ने और गणित में आसानी से क्या कर सकते हैं। **हमारा उद्देश्य सिर्फ बच्चों का उच्चतम स्तर पता करना है।**

इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि आप नीचे दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए बच्चों की जाँच करें:

- **बच्चे के लिए सहज वातावरण हो:** बच्चों की जाँच करने से पहले उनके साथ दोस्ताना व्यवहार करते हुए एक सहज माहौल तैयार कर लें। आपको बच्चे को यह बता देना चाहिए कि यह कोई परीक्षा नहीं है, यह केवल कुछ गतिविधियाँ हैं जो आप उनके साथ करना चाहते हैं।
- **बच्चों पर दूसरे लोगों का कोई दबाव न हो:** अक्सर परिवार के सदस्य और पड़ोसी जमा हो जाते हैं, यह देखने के लिए कि बच्चे दिए गए कार्य को ठीक तरह से कर रहे हैं या नहीं। ऐसी स्थिति में बच्चों को परेशानी हो सकती है। यह सुनिश्चित करें कि ऐसा न हो। जब एक सर्वेक्षक बच्चे की जाँच कर रहा हो तब दूसरा सर्वेक्षक अन्य लोगों से बात कर सकता है या दूसरे बच्चों के साथ कुछ अलग गतिविधियाँ कर सकता है।
- **बच्चों के साथ धैर्य बनाए रखें और उनको प्रोत्साहित करते रहें:** बच्चे ने जो भी प्रयास किया है उसकी प्रशंसा करते हुए उसे प्रोत्साहित करें। जब बच्चा पढ़ रहा हो, या गणित के प्रश्नों को हल कर रहा हो तब उसके साथ धैर्य बनाएं रखें। बच्चे को पढ़ने, सोचने और हल करने के लिए पर्याप्त समय दें। उसके साथ जल्दबाज़ी न करें।
- **बच्चे टूल के साथ परिचित हो:** बच्चे के उच्चतम स्तर (जिस स्तर के विभिन्न प्रश्न वे आसानी से कर सकता है) को समझने के लिए आपको उसे कई कार्य देने पड़ सकते हैं। अभ्यास और किसी कार्य से परिचित होना उस कार्य को करने में बच्चों की क्षमता को बेहतर कर सकता है। उदाहरण के लिए, हो सकता है कि बच्चा आसान अनुच्छेद को धाराप्रवाह न पढ़ पाए लेकिन शब्दों को आसानी से पढ़ने के बाद हो सकता है कि वह अनुच्छेद पढ़ ले। यह इसलिए क्योंकि वह उस टूल और कार्यों को करने में अब पहले से ज़्यादा सहज महसूस कर रहा है।
- **बच्चे के पढ़ने की जाँच किस भाषा में हुई है, वह भाषा लिखें:** पढ़ने की जाँच के बाद बच्चे की जाँच जिस भाषा में की गई है वह घर सर्वेक्षण प्रपत्र के उचित कॉलम में नोट करें।
- **अलग-अलग बच्चों के लिए अलग-अलग सैम्पल का इस्तेमाल करें:** प्रत्येक टेस्टिंग टूल के चार सैम्पल हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि बच्चे एक दूसरे की नकल नहीं कर रहें हैं, एक ही घर में रहने वाले प्रत्येक बच्चे के लिए अलग–अलग सैम्पल का इस्तेमाल करें।
- **बच्चों की जाँच किस सैम्पल से कि गई है यह नोट करें:** बच्चे कि जाँच जिस सैम्पल नंबर से हुई है वह घर सर्वेक्षण प्रपत्र पर नोट करें। क पया यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चे की पढ़ने और गणित की जाँच एक ही सैम्पल से हो। यह भी सुनिश्चित करें कि चारों सैम्पल का सर्वेक्षण के दौरान समान रूप से प्रयोग किया जाए।

भाग 2: पढ़ने की जाँच कैसे करें

अनुच्छेद

अनुच्छेद से शुरू करें:

बच्चे को दिए गए दोनो अनुच्छेदों में से कोई एक पढ़ने को कहें।
बच्चे को अनुच्छेद स्वयं चुनने दें। अगर बच्चा नहीं चुनता है, तो आप उसे कोई एक अनुच्छेद चुनकर दें।
बच्चे को अनुच्छेद पढ़ने को कहें। बच्चा कैसा पढ़ता है यह ध्यान से सुनें।

बच्चा **'अनुच्छेद स्तर'** पर नहीं हैं अगर बच्चा अनुच्छेद को:

- अलग–अलग शब्द जैसे पढ़ता है न कि वाक्य की तरह।
- अटक–अटक कर पढ़ता है और अक्सर रुक जाता है।
- धाराप्रवाह पढ़ता है पर **3 से ज़्यादा गलतियाँ** करता है।

*अगर बच्चा **'अनुच्छेद स्तर'** पर नहीं है तब उसे शब्द पढ़ने को दें।*

शब्द

बच्चे को शब्दों की सूची में से कोई भी 5 शब्द पढ़ने को कहें।
बच्चे को शब्दों को स्वयं चुनने दें। अगर बच्चा नहीं चुनता है, तो आप शब्दों की सूची में से कोई भी 5 शब्द उसे पढ़ने को दें।

बच्चा **'शब्द स्तर'** पर है, अगर वह:

- **5 में से कम से कम 4** शब्द आसानी से पढ़ ले।

*अगर बच्चा **'शब्द स्तर'** पर है तो उसे पुनः अनुच्छेद पढ़ने को कहें और फिर अनुच्छेद स्तर के निर्देशों का पालन करें।*

*अगर बच्चा सही ढंग से और आराम से शब्दों को पढ़ सकता है, लेकिन अभी भी अनुच्छेद धाराप्रवाह और आसानी से न पढ़ पाए, तब उसे **'शब्द स्तर'** पर चिन्हित करें।*

अगर बच्चा शब्द स्तर पर नहीं है (5 में से 4 शब्द भी नहीं पढ़ सकता है) तब उसे अक्षर पढ़ने को दें।

अक्षर

बच्चे को अक्षरों की सूची में से कोई भी 5 अक्षर पढ़ने को कहें।
बच्चे को अक्षरों को स्वयं चुनने दें। अगर बच्चा नहीं चुनता है, तो आप अक्षरों की सूची में से कोई भी 5 अक्षर उसे पढ़ने को दें।

बच्चा **'अक्षर स्तर'** पर है अगर वह:

- **5 में से कम से कम 4** अक्षर आसानी से पढ़ सके।

*अगर बच्चा **'अक्षर स्तर'** पर है तो उसे पुनः शब्द पढ़ने को दें और फिर शब्द स्तर के निर्देश का पालन करें।*

*अगर बच्चा आराम से अक्षरों को पढ़ सकता है लेकिन अभी भी शब्द आसानी से न पढ़ पाए, तब उसे **'अक्षर स्तर'** पर चिन्हित करें।*

*अगर बच्चा अक्षर स्तर पर नहीं है (5 में से 4 अक्षर भी सही नहीं पढ़ सकता है) तब उसे **'प्रारंभिक स्तर'** पर चिन्हित करें।*

बच्चा अनुच्छेद पढ़ सकता है अगर बच्चा अनुच्छेद को:

- अलग–अलग शब्दों की तरह न पढ़कर वाक्यों की तरह पढ़े।
- धाराप्रवाह और आसानी से पढ़ ले भले ही वो धीरे–धीरे पढ़े।
- पाठ को पढ़ने में **3 या 3 से कम गलतियाँ** करे।

अगर बच्चा अनुच्छेद पढ़ सकता है तब उसे कहानी पढ़ने को दें।

कहानी

बच्चे को कहानी पढ़ने को कहें।

बच्चा **'कहानी स्तर'** पर है अगर वह कहानी को:

- अलग–अलग शब्दों की तरह न पढ़कर वाक्यों की तरह पढ़े।
- धाराप्रवाह और आसानी से पढ़ ले भले ही वह धीरे–धीरे पढ़े।
- पाठ को पढ़ने में **3 या 3 से कम गलतियाँ** करे।

*अगर बच्चा 'कहानी पढ़ सकता है' तो उसे **'कहानी स्तर'** पर चिन्हित करें।*

*अगर बच्चा कहानी नहीं पढ़ सकता है तो उसे **'अनुच्छेद स्तर'** पर चिन्हित करें।*

सर्वेक्षण प्रपत्र पर बच्चे का सबसे उच्चतम स्तर चिन्हित करें।

क्या गलत है और क्या नहीं: जब बच्चे पढ़ते हैं तो आपको निम्नलिखित उदाहरण सुनने को मिलेंगे। यहाँ कुछ हिन्दी के उदाहरण दिए गए हैं:

क्या गलती नहीं है

- बच्चे 'आता' को 'आते', 'चाहता' को 'चाहते' या 'है' को 'था' आदि पढ़ते हैं। स्थानीय उच्चारण के कारण बच्चों के पढ़ने में भिन्नताएं हो सकती हैं। **इसे गलती न मानें।**
- बच्चे पढ़ते समय एक शब्द को समान अर्थवाले दूसरे शब्द से बदल देते हैं। उदाहरण के लिए 'बरसात का मौसम' को बच्चा 'बरसात का समय' पढ़ता है, तो **इसे गलती न मानें।**
- आम तौर पर ऐसे में यदि बच्चे से कहें कि ध्यान से पढ़ो, तो हो सकता है कि दोबारा पढ़ने में वह ऐसी गलती फिर न करें।
- कभी कभी बच्चे शब्दों को गलत पढ़ते हैं जैसे – 'नींद' को 'नदी' या 'मज़ा' को 'जमा'। कभी कभी बच्चे पढ़ते समय शब्दों को छोड़ देते हैं। ऐसी स्थिति में भी यदि बच्चे को दोबारा ध्यान से पढ़ने को कहें तो आमतौर पर वह फिर से वही गलती नहीं करेगा।

क्या गलती है

- अगर बच्चा बार–बार मौका देने के बाद भी वही गलती दोहराए या शब्द न पढ़ पाए तो इन्हें गलतियाँ समझना चाहिए। इसका मतलब है कि बच्चे को उस स्तर पर पढ़ने में कठिनाई हो रही है।
- अगर बच्चा एक ही शब्द एक से अधिक बार गलत पढ़ता है तब उसे एक ही गलती मानें।
- यदि अनुच्छेद पढ़ते समय बच्चा **3 से ज़्यादा गलतियाँ** करे तो उसे **'अनुच्छेद स्तर'** पर नहीं रख सकते हैं। यही नियम कहानी के लिए भी लागू करें।

भाग 3: गणित की जाँच कैसे करें

घटाव: 2 अंकों का हासिल के साथ

घटाव से शुरु करें

बच्चे को घटाव के सवाल दें। बच्चे को सवाल स्वयं चुनने दें। यदि वह नहीं चुनता है तो आप एक सवाल चुनें।

बच्चे से सवाल में दी गई संख्याएं पूछें और फिर बच्चे को घटाव का चिन्ह पहचानने को कहें।

यदि बच्चा संख्याएं और चिन्ह दोनों को पहचान लेता है तो उसे सवाल लिखने एवं हल करने को कहें। देखें कि क्या वह उस सवाल का सही उत्तर देता है।

यदि बच्चा घटाव का पहला सवाल गलत करे तब भी उसको दूसरा सवाल दें और ऊपर लिखी गई प्रक्रिया से हल करवाएं। अगर बच्चे का दूसरा सवाल सही है तो उसे पहले सवाल को दोबारा करने की कोशिश करने दें।

यदि बच्चा जल्दबाज़ी में सवाल हल करने में कोई मामूली सी गलती करे तो उसे वही सवाल दोबारा हल करने को कहें।

*यदि वह **दोनों घटाव के सवाल सही नहीं** कर पाता है, तो उसे संख्याएं (10–99) पहचानने को कहें।*

यदि वह घटाव का एक भी सवाल गलत करे तब भी उसे संख्याए (10–99) पहचानने को कहें।

संख्या पहचान (10–99)

बच्चे को संख्याओं की सूची में से कोई 5 संख्या पहचानने को कहें। बच्चे को स्वयं संख्या चुनने दें। अगर वह नहीं चुनता है तो आप उसे कोई 5 संख्याओं को पहचानने को कहें।

यदि वह **5 संख्याओं में से कम से कम 4** को सही पहचानता है तो उसे **'संख्या पहचान 10–99 तक स्तर'** पर चिन्हित करें।

यदि बच्चा 10–99 तक की संख्याएं नहीं पहचान पाता है तो उसे 1–9 अंक पहचानने को कहें।

अंक पहचान (1–9)

बच्चे को अंको की सूची मे से कोई 5 अंक पहचानने को कहें। बच्चे को स्वयं अंक चुनने दें। अगर वह नहीं चुनता है तो आप उसे कोई 5 अंको को पहचानने को कहें।

यदि वह **5 अंकों में से कम से कम 4 अंक** सही पहचानता है तो उसे **'अंक पहचान 1-9 तक स्तर'** पर चिन्हित करें।

अगर बच्चा 'अंक पहचान 1–9 तक' के स्तर पर नहीं है (अंको को नहीं पहचान सकता है) तो उसे **'प्रारंभिक स्तर'** पर चिन्हित करें।

नोट: बच्चे को घर सर्वेक्षण प्रपत्र के पीछे सवाल हल करने को कहें।

*यदि वह **दोनों** घटाव के सवाल सही हल कर देता है, तो उसे भाग का एक सवाल करने को दें।*

भाग
3 अंकों को 1 अंक से

बच्चे को भाग के सवाल दिखाएं। वह कोई एक सवाल स्वयं चुन सकता है। यदि वह नहीं चुनता है तो आप एक सवाल चुनें।

उसे सवाल लिखने और हल करने को कहें।

देखें वह क्या करता है। यदि वह सवाल सही कर पाता है, तो उसे **'भाग स्तर'** पर चिन्हित करें। **नोट: भागफल व शेषफल दोनों सही होने चाहिए।**

यदि बच्चा जल्दबाज़ी में सवाल हल करने में कोई मामूली सी गलती करे तो उसे वही सवाल दोबारा हल करने को कहें।

*यदि वह भाग का सवाल सही करने में असफल रहता है तो उसे **'घटाव स्तर'** पर चिन्हित करें।*

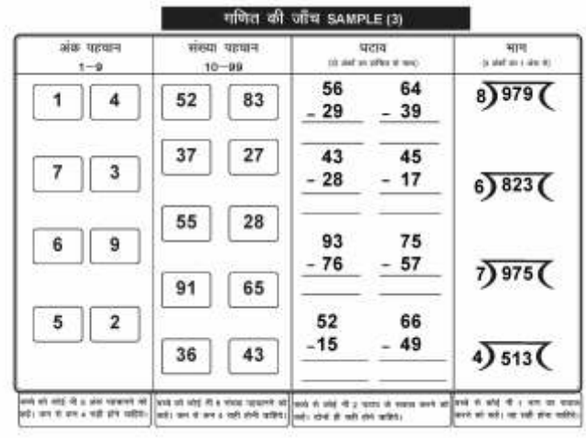

घर सर्वेक्षण प्रपत्र पर बच्चे का सबसे उच्चतम स्तर चिन्हित करें।

असर 2013 - विद्यालय अवलोकन प्रपत्र

विद्यालय का नामः ______________ गाँव का नामः ______________

ब्लॉकः ______________ ज़िलाः ______________ राज्यः ______________

Annual Status of Education Report
असर ASER 2013 RURAL
Facilitated by PRATHAM

निर्देशः गाँव के किसी एक सरकारी विद्यालय (कक्षा 1 से 7/8) में जायें । यदि गाँव में कक्षा 1 से 7/8 का कोई विद्यालय न हो, तो उस सरकारी विद्यालय में जायें जहाँ कक्षा 1 से 4/5 के बच्चों का नामांकन सबसे अधिक हो। ऐसे सरकारी विद्यालय में न जायें जहाँ कक्षा 1 से 4/5 तक की कोई कक्षा न हो। यदि गाँव में कक्षा 1 से 4/5 का कोई सरकारी विद्यालय न हों, तो किसी भी विद्यालय में न जायें। मुख्य अध्यापक से मिलें (मुख्य अध्यापक के न होने पर विद्यालय के सबसे वरिष्ठ शिक्षक से मिलें)। आवश्यक प्रलेखः रजिस्टर जिसमें बच्चों के नामांकन की जानकारी हो।

स्कूल में आने का समय	किस कक्षा से किस कक्षा तक? (किसी एक पर सही का निशान लगाएं)	उत्तरदाता की जानकारी			सर्वे का दिनांक	सर्वे का दिन	सर्वेक्षकों का नाम
		नाम					
	कक्षा 1 से 4/5 | कक्षा 1 से 6/7/8 | अन्य	पद (✓ लगाएं)	मुख्य अध्यापक	शिक्षक			1.
		फोन नम्बर					2.

1. बच्चों का नामांकन एवं उपस्थिति	कक्षा 1	कक्षा 2	कक्षा 3	कक्षा 4	कक्षा 5	कक्षा 6	कक्षा 7	कक्षा 8
बच्चों का नामांकन (खुद रजिस्टर से लें)। यदि एक से ज़्यादा सेक्शन हों, तो कुल नामांकन लिखें।								
सर्वे के दिन उपस्थित बच्चे*								

*नोटः कक्षा में उपस्थित बच्चों की संख्या गिनें। यदि एक से अधिक कक्षा के बच्चे एक साथ बैठे हैं, तो प्रत्येक कक्षा के अनुसार बच्चों को हाथ उठाने को कहें और इसके आधार पर प्रत्येक कक्षा में उपस्थित बच्चों की संख्या लिखें। यदि एक से ज़्यादा सेक्शन हों, तो सभी सेक्शन की उपस्थिति गिनें और फिर कुल उपस्थिति लिखें।

2.विद्यालय में पढ़ाई का माध्यम (official)
1.
2.
3.

3. शिक्षक	कुल नियुक्ति (पूछें)	कुल उपस्थित (अवलोकन करें)
मुख्य अध्यापक (प्रभारी मुख्य अध्यापक को न गिनें)		
नियमित सरकारी शिक्षक (मुख्य अध्यापक को न गिनें)		
पैरा–शिक्षक (Para-teacher)		

4. सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)				
क्या आपने सतत् व्यापक मूल्यांकन/CCE के बारे में सुना है? (पूछें)	हाँ		नहीं	
यदि हाँ,				
इस विद्यालय में कितने शिक्षकों को सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) मैनुअल या प्रपत्र मिला है? (पूछें)	**सभी को**	**कुछ को**	**किसी को नहीं**	**पता नहीं**
यदि मैनुअल या प्रपत्र मिला है, तो उत्तरदाता से उसे दिखाने को कहें				
क्या आप सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) मेनुअल या प्रपत्र देख सके? (पूछें और अवलोकन करें)	हाँ		नहीं	

5. मध्याह्न भोजन		
उचित स्थान पर निशान लगाएं।	**हाँ**	**नहीं**
क्या आज विद्यालय में मध्याह्न भोजन दिया गया? (पूछें)		
क्या मध्याह्न भोजन पकाने के लिए कोई रसोई घर है? (अवलोकन करें)		
क्या आपने विद्यालय में मध्याह्न भोजन पकाये जाते हुये देखा? (अवलोकन करें)		
क्या आपने बच्चों को आज मध्याह्न भोजन दिये जाने का कोई सबूत देखा? (जैसेः गंदे बर्तन या बाहर से मंगाया गया भोजन आदि) (अवलोकन करें)		

6. कक्षा का अवलोकन

उचित स्थान पर निशान लगाएं।

अवलोकन करें (यदि एक से ज़्यादा सेक्शन हों, तो कोई एक चुनें)		कक्षा 2		कक्षा 4	
		हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
क्या इस कक्षा के बच्चे किसी और कक्षा के बच्चों के साथ बैठे हुये हैं?					
क्या कक्षा में ब्लैक बोर्ड है?					
यदि हाँ, तो क्या आप ब्लैक बोर्ड पर आसानी से लिख सकते हैं?					
पुस्तकों के अलावा क्या कक्षा में आपने कोई भी शिक्षण सामग्री देखी (जैसे अन्य किताबें, दिवारों पर लगे चार्ट, बोर्ड खेल आदि)?					
इस कक्षा के बच्चे कहाँ बैठे हुये हैं? (किसी एक पर निशान लगाएं)	कमरे में				
	बरामदे में				
	खुली जगह पर				

7. सुविधाओं का अवलोकन

शौचालय के अलावा विद्यालय में कुल कितने पक्के कमरे हैं? (खुद गिनकर लिखें)		
सर्वे के दिन कुल कितने कमरे पढ़ाने के लिए इस्तेमाल किये जा रहे थे? (खुद गिनकर लिखें)		
उचित स्थान पर निशान लगाएं	**हाँ**	**नहीं**
क्या विद्यालय में ऑफिस/स्टोर/Office-cum-store है?		
क्या विद्यालय में खेल का मैदान है?		
क्या विद्यालय में पुस्तकालय की किताबें हैं?		
यदि हाँ, तो क्या आपने बच्चों को पुस्तकालय की किताबों का प्रयोग करते हुये/पढ़ते हुये देखा?		
क्या आपने विद्यालय में हैंडपंप/नल देखा?		
यदि हैंडपंप/नल है, तो क्या आप उस हैंडपंप/नल से पानी पी सके?		
यदि हैंडपंप/नल नहीं है या इस्तेमाल करने योग्य नहीं है, तो क्या पीने के पानी की उपलब्धता है?		
क्या विद्यालय की पूरी चारदीवारी या बाड़ (fencing) है?		
क्या विद्यालय में बच्चों के प्रयोग के लिए कम्प्यूटर है?		
यदि हाँ, तो क्या आपने बच्चों को कम्प्यूटर का इस्तेमाल करते हुये देखा?		

8. शौचालय (अवलोकन करें)

शौचालय	क्या शौचालय है?		यदि हाँ, तो क्या वह ताले से बंद है?		यदि खुला है, तो क्या वह प्रयोग करने योग्य है?	
	हाँ	नहीं	बंद है	बंद नहीं है	हाँ	नहीं
लड़की						
लड़का						
सामायिक						
शिक्षक						

नोटः यदि विद्यालय में किसी एक प्रकार का 1 से ज़्यादा शौचालय है, तो उस शौचालय की जानकारी लें जो बेहतर स्थिति में है।

स्कूल से जाने का समय

F. विद्यालय में क्या करें?

सामान्य निर्देशः

- गाँव में किसी एक सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में जाएं, जहाँ कक्षा 1 से 7/8 तक हो। अगर गाँव में ऐसा कोई उच्च प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 7/8) नहीं है, तो फिर गाँव के सरकारी प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 4/5) में जाएं। लेकिन अगर गाँव में एक से ज़्यादा प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 4/5) हैं, तो उस विद्यालय में जाएं जहाँ कक्षा 1 से 4/5 में सबसे ज़्यादा बच्चे नामांकित हैं। विद्यालय प्रकार के अनुसार उचित स्थान पर सही का निशान लगाएं।
- मुख्य अध्यापक से मिलें। यदि मुख्य अध्यापक मौजूद नहीं हैं तो सबसे वरिष्ठ शिक्षक से मिलें। वह आपके उत्तरदाता होंगे। असर के बारे में बताते हुए अपना उद्देश्य समझाएं और पत्र दें। विनम्र रहें। मुख्य अध्यापक और अन्य अध्यापकों को आश्वासित करें कि विद्यालय का नाम किसी को भी बताया नहीं जाएगा।
- उत्तरदाता से उनका फोन नंबर मांगें और उन्हें बताएं कि यह जानकारी रीचेक के लिए ली जा रही है।
- विद्यालय में प्रवेश करने का समय, दिन और दिनांक विद्यालय अवलोकन में नोट करें।
- उत्तरदाता से नामांकन रजिस्टर या कोई अन्य औपचारिक दस्तावेज़ माँगें जिसमें विद्यालय के नामांकन की जानकारी हो।

अनुभाग 1: बच्चों का नामांकन एवं उपस्थिति

- सभी कक्षाओं के नामांकन रजिस्टर मँगवाएं और कुल नामांकित बच्चों की संख्या भरें। अगर एक कक्षा के अनेक सेक्शन (अनुभाग) हैं, तो सभी सेक्शन का कुल नामांकन लें।
- हर एक कक्षा में जाकर बच्चों की उपस्थिति स्वयं गिनकर दर्ज करें। यदि एक से अधिक कक्षाओं के बच्चे मिलजुल कर, इकट्ठे बैठे हुए हैं, तो फिर अध्यापक की सहायता से अलग–अलग कक्षाओं के बच्चों को गिनें। इस स्थिति में कक्षावार हर कक्षा के बच्चों को अपने हाथ उठाने के लिए कहें। फिर उठे हुए हाथ गिनें ओर उसके अनुसार ध्यान से अवलोकन प्रपत्र में कक्षावार उपस्थिति दर्ज करें। ध्यान रहे कि केवल उन बच्चों को गिनना है जो उस समय कक्षा में उपस्थित हैं।
- एक से अधिक सेक्शन वाली कक्षा की उपस्थितिः उन सभी सेक्शन के बच्चों को गिनें और उनको जोड़कर कुल उपस्थिति लिखें।

उदाहरणः

1. बच्चों का नामांकन एवं उपस्थिति	कक्षा 1	कक्षा 2	कक्षा 3	कक्षा 4	कक्षा 5	कक्षा 6	कक्षा 7	कक्षा 8
बच्चों का नामांकन (खुद रजिस्टर से लें) अगर एक से ज़्यादा सेक्शन हों तो कुल नामांकन लिखें।	30	35	40	39	55	60	25	20
सर्वेक्षण के दिन उपस्थित बच्चे	16	23	37	28	35	40	20	20

अनुभाग 2: विद्यालय में पढ़ाई का माध्यम (official)

निर्देश के माध्यम के लिए इस्तेमाल होने वाली मुख्य भाषा को नोट करें। यदि विद्यालय में पढ़ाने का एक से अधिक माध्यम हैं तो दिए गए खानों में उन्हें नोट करें।

अनुभाग 3: शिक्षक

- उत्तरदाता से पूछें कि विद्यालय में कितने शिक्षक नियुक्त हैं। कार्यकारी (Acting)/प्रभारी मुख्याध्यापक को भी एक नियमित शिक्षक के रूप में ही गिनें। Deputation पर आए हुए मुख्याध्यापक को नियमित मुख्याध्यापक में गिनें। सरकारी शिक्षकों की गिनती में मुख्याध्यापक को न गिनें।
- विद्यालय के सर्वेक्षण के समय कितने मुख्याध्यापक/शिक्षक उपस्थित हैं, यह खुद गिनकर प्रपत्र में लिखें।
- यदि विद्यालय में पैरा–शिक्षक (para-teacher) हैं तो उसे अलग से नोट करें। (पैरा–शिक्षक की परिभाषाः जो टीचर अनुबंध (contract) पर हों और जिनका वेतन नियमित शिक्षकों से अलग हो।) कई राज्यों में पैरा–शिक्षक (para-teacher) को विभिन्न नामों से जाना जाता है जैसे शिक्षा मित्र, स्वयंसेवी शिक्षक, पंचायत शिक्षक, विद्या Volunteer आदि।
- NGO के स्वयंसेवकों को शिक्षकों में न गिनें।

उदाहरणः

3. शिक्षक	कुल नियुक्ति (पूछें)	कुल उपस्थित (अवलोकन करें)
मुख्य अध्यापक (प्रभारी मुख्य अध्यापक को न गिनें)	1	0
नियमित सरकारी शिक्षक (मुख्य अध्यापक को न गिनें)	4	3
पैरा–शिक्षक (Para-teacher)	2	2

अनुभाग 4: सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)

- उत्तरदाता से पूछें कि क्या उन्होंने कभी सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) के बारे में सुना है।
- यदि उन्होंने कभी सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) के बारे में नहीं सुना है तो इस अनुभाग में दिए गए आगे के प्रश्न न पूछें।
- यदि उन्होंने सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) के बारे में सुना है तो उनसे पूछें कि कितने शिक्षकों को सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) का मेनुअल/प्रपत्र मिला है।
- यदि विद्यालय में शिक्षकों को मेनुअल/प्रपत्र मिला है तो उत्तरदाता से सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) का मेनुअल/प्रपत्र दिखाने को कहें।

उदाहरण:

4. सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)				
क्या आपने सतत् व्यापक मूल्यांकन/CCE के बारे में सुना है? (पूछें)			**हाँ** ✓	**नहीं**
यदि हाँ,				
इस विद्यालय में कितने शिक्षकों को सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) मैनुअल या प्रपत्र मिला है? (पूछें)	**सभी को**	**कुछ को** ✓	**किसी को नहीं**	**पता नहीं**
यदि मैनुअल और प्रपत्र मिला है, तो उत्तरदाता से उसे दिखाने को कहें				
क्या आप सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) मेनुअल या प्रपत्र देख सके? (पूछें और अवलोकन करें)			**हाँ**	**नहीं** ✓

अनुभाग 5: मध्याह्न भोजन (MDM)

- उत्तरदाता से पूछें कि क्या आज विद्यालय में मध्याह्न भोजन परोसा गया है।
- अवलोकन करें कि मध्याह्न भोजन पकाने के लिए कोई रसोई घर है।
- अवलोकन करें कि क्या विद्यालय में आज खाना पकाया जा रहा है।
- अवलोकन करें कि आज विद्यालय में मध्याह्न भोजन परोसा गया था? (मध्याह्न भोजन से जुड़े सबूत जैसेः गंदे बर्तन या बाहर से मंगाया गया भोजन आदि देखें)। इसके अनुसार चिन्हित करें।

उदाहरण:

5. मध्याह्न भोजन		
उचित स्थान पर निशान लगाएं।	**हाँ**	**नहीं**
क्या आज विद्यालय में मध्याह्न भोजन दिया गया? (पूछें)	✓	
क्या मध्याह्न भोजन पकाने के लिए कोई रसोई घर है? (अवलोकन करें)	✓	
क्या विद्यालय में मध्याह्न भोजन पकाये जाते हुए देखा? (अवलोकन करें)		✓
क्या आपने बच्चों को आज मध्याह्न भोजन दिए जाने का कोई सबूत देखा? (जैसेः गंदें बर्तन, बाहर से मंगाया गया भोजन आदि) (अवलोकन करें)	✓	

अनुभाग 6: कक्षा का अवलोकनः केवल कक्षा 2 और 4 के लिए

विद्यालय अवलोकन प्रपत्र का यह अनुभाग केवल कक्षा 2 और कक्षा 4 के लिए है। अगर एक कक्षा के अनेक सेक्शन हैं तो किसी एक सेक्शन को चुनें। बच्चे अक्सर मिश्रित समूहों में बैठे होते हैं इसलिए कक्षावार बच्चों की पहचान करने के लिए आपको शिक्षकों से मदद लेनी पड़ सकती है।

निम्नलिखित का अवलोकन करें और प्रपत्र पर चिन्हित करें:

- बच्चों के बैठने की व्यवस्थाः क्या कई कक्षाओं के बच्चे एक क्लासरूम में एक साथ बैठे हैं या एक कक्षा के बच्चे अलग बैठे हैं?
- अवलोकन करें कि जहाँ बच्चे बैठे हैं वहाँ एक ब्लैकबोर्ड है या नहीं। अगर हाँ, क्या आप उस पर आसानी से लिख सके?
- अवलोकन करें कि कक्षा में जहाँ बच्चे बैठे हुए हैं, क्या वहाँ पाठ्य पुस्तकों के अलावा कोई अन्य शिक्षण सामग्री है जैसे दीवार पर चार्ट, बोर्ड खेल आदि। (दीवार पर की गई चित्रकारी को हम शिक्षण सामग्री में नहीं गिनेंगे)।
- अवलोकन करें कि बच्चे स्कूल में कहाँ बैठे हैं (कमरे में, बरामदे में या खुली जगह में)?

उदाहरण:

6. कक्षा का अवलोकन					
उचित स्थान पर निशान लगाएं।					
अवलोकन करें (यदि एक से ज़्यादा सेक्शन हों, तो कोई एक चुनें)		**कक्षा 2**		**कक्षा 4**	
		हाँ	**नहीं**	**हाँ**	**नहीं**
क्या इस कक्षा के बच्चे किसी और कक्षा के बच्चों के साथ बैठे हुये हैं?		✓			✓
क्या कक्षा में ब्लैक बोर्ड है?		✓			
यदि हाँ, तो क्या आप ब्लैक बोर्ड पर आसानी से लिख सकते हैं?		✓			✓
पुस्तकों के अलावा क्या कक्षा में आपने कोई भी शिक्षण सामग्री देखी (जैसे अन्य किताबें, दिवारों पर लगे चार्ट, बोर्ड खेल आदि)?			✓	✓	
इस कक्षा के बच्चे कहाँ बैठे हुये थे?	कमरे में			✓	
	बरामदे में	✓			
	खुली जगह पर				

अनुभाग 7: सुविधाओं का अवलोकन

निम्नलिखित का अवलोकन करें और उसके अनुसार प्रपत्र पर चिन्हित करें:

- ध्यान से गिनें कि विद्यालय में कुल कितने पक्के कमरे हैं (शौचालय के अलावा)। साथ ही गिनें कि आज कितने कमरे पढ़ाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं।
- अवलोकन करें, विद्यालय में ऑफिस/स्टोर/Office cum store है या नहीं है। इनमें से किसी एक के होने पर ''हाँ'' के अंतर्गत् निशान लगाएं।
- अवलोकन करें यदि खेल का मैदान है (खेल के मैदान की परिभाषा : विद्यालय के परिसर में समतल खेलने के लिए मैदान होना चाहिए और/या खेलने के उपकरण (स्लाईड, झूले) मौजूद हों)।
- अवलोकन करें यदि पुस्तकालय की किताबें हैं। (अलमारी में रखी हुई किताबें भी इसमें शामिल होंगी)।
- अगर पुस्तकालय की किताबें हैं तो अवलोकन करें यदि पुस्तकालय की किताबें बच्चों द्वारा प्रयोग की जा रही हैं।
- अवलोकन करें यदि विद्यालय में कोई हैंडपंप/नल है। यदि हाँ तो क्या आप उससे पानी पी सके। यदि कोई हैंडपंप/नल नहीं है या मौजूदा हैंडपंप/नल से पानी नहीं पिया जा सकता है, तो देखें कि क्या किसी अन्य तरह से पीने के पानी की कोई उपलब्धता है या नहीं।
- अवलोकन करें यदि स्कूल की पूरी सीमा दीवार या fencing है या नहीं। इसमें गेट का होना आवश्यक नहीं है।
- अवलोकन करें यदि विद्यालय में बच्चों द्वारा प्रयोग करने के लिए कम्पयूटर है। यदि ''हाँ'' तो क्या आपने बच्चों को कम्पयूटर का प्रयोग करते हुए देखा?

उदाहरण:

7. सुविधाओं का अवलोकन		
शौचालय के अलावा विद्यालय में कुल कितने पक्के कमरे हैं? (खुद गिनकर लिखें)	**5**	
सर्वे के दिन कुल कितने कमरे पढ़ाने के लिए इस्तेमाल किये जा रहे थे? (खुद गिनकर लिखें)	**3**	
उचित स्थान पर निशान लगाएं	**हाँ**	**नहीं**
क्या विद्यालय में ऑफिस/स्टोर/Office-cum-store है?	✓	
क्या विद्यालय में खेल का मैदान है?		✓
क्या विद्यालय में पुस्तकालय की किताबें हैं?	✓	
यदि हाँ, तो क्या आपने बच्चों को पुस्तकालय की किताबों का प्रयोग करते हुये/पढ़ते हुये देखा?		✓
क्या आपने विद्यालय में हैंडपंप/नल देखा?	✓	
यदि हैंडपंप/नल है, तो क्या आप उस हैंडपंप/नल से पानी पी सके?	✓	
यदि हैंडपंप/नल नहीं है या इस्तेमाल करने योग्य नहीं है, तो क्या पीने के पानी की उपलब्धता है?		
क्या विद्यालय की पूरी चारदीवारी या बाड़ (fencing) है?	✓	
क्या विद्यालय में बच्चों के प्रयोग के लिए कम्प्यूटर है?		✓
यदि हाँ, तो क्या आपने बच्चों को कम्प्यूटर का इस्तेमाल करते हुये देखा?		✓

अनुभाग 8: शौचालय

- अवलोकन करें कि क्या विद्यालय में सामायिक शौचालय (सभी के लिए), लड़कियों के लिए अलग शौचालय, लड़कों के लिए अलग शौचालय और शिक्षकों के लिए अलग शौचालय हैं।
- यदि आप नहीं पहचान सकते हैं कौन सा शौचालय किसके लिए है तो मुख्य अध्यापक, किसी शिक्षक, या बच्चे से पूछें।
- हर प्रकार के शौचालय के लिए नोट करें कि उसका ताला बंद है या नहीं। यदि ताला बंद नहीं है, तो नोट करें कि क्या वह इस्तेमाल करने योग्य है या नहीं। इस्तेमाल करने योग्य शौचालय का अर्थ है कि, शौचालय में प्रयोग के लिए पानी उपलब्ध हो (नल/फ्लश/जमा किया गया पानी) तथा कम से कम बुनियादी स्तर की सफाई हो।
- यदि दो सामायिक शौचालय या अन्य प्रकार के शौचालय हैं तो उस शौचालय की जानकारी लें जो बेहतर स्थिति में है।

उदाहरण:

8. शौचालय (अवलोकन करें)

शौचालय	क्या शौचालय है?		यदि हाँ, तो क्या वह ताले से बंद है?		यदि खुला है, तो क्या वह प्रयोग करने योग्य है?	
	हाँ	नहीं	बंद है	बंद नहीं है	हाँ	नहीं
लड़की		✓				
लड़का		✓			✓	
सामायिक	✓			✓		
शिक्षक	✓		✓			

असर 2013 की प्रतिज्ञा

मैं भारत का नागरिक होने के नाते ऐन्युअल स्टेटस ऑफ एज्युकेशन रिपोर्ट 2013 में स्वयंसेवक के रूप में भाग लेने का फैसला करता हूँ।

इस प्रयास का उद्देश्य यह है कि इस देश के बच्चों कि शिक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने में नागरिक और सरकार शामिल हों।

पिछले 8 वर्षों से मेरे जैसे कई स्वयंसेवक दूर दराज़ के ज़िलों और सुदूर गाँवों में पहुँच पाएं हैं।

इस सर्वेक्षण को अत्यंत गंभीरता के साथ करने के लिए हम कश्मीर से केरल तक और गुजरात से त्रिपुरा तक गए हैं।

आज 30,000 स्वयंसेवकों के साथ मैं भारत में नागरिकों द्वारा किए जाने वाले सबसे बड़े सर्वेक्षण का हिस्सा बनने जा रहा हूँ ।

मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि जिन लोगों ने मुझसे पहले काम किया है उनकी ईमानदारी और सोच को आगे बढ़ाऊँगा और आने वाले वर्षों में लोगों के लिए उदाहरण बनूँगा ।

मैं सर्वेक्षण प्रपत्र में सही जानकारी इकट्ठा करने के महत्त्व को समझता हूँ और प्रतिज्ञा लेता हूँ कि इसे पूरी ईमानदारी के साथ निभाऊँगा।

सर्वेक्षण के दौरान किसी भी परिस्थिति में मैं अपनी ज़िम्मेदारियों से पीछे नहीं हटूंगा।

मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि इस अभियान को पूरा करने में और एक बेहतर भारत का निर्माण में अपनी भूमिका को पूरी अखंडता के साथ निभाऊँगा।

स्वयंसेवक के हस्ताक्षर

1. ..... **2. .....**